राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

रोकठोक लेखनी

RNI NO. : MAHHIN/2019/77511

खबरें बे-रोकटोक

वर्ष 07 | अंक 10 | मुंबई : बुधवार 07 जनवरी 2026 से 12 जनवरी 2026 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 8 | कीमत : 03 रुपये

माहिम वार्ड 182: भाजपा बनाम शिवसेना (उद्धव गुट), बदले समीकरणों में सीधा मुकाबला...

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका के वार्ड क्रमांक 182 में इस बार चुनावी मुकाबला भले ही सिर्फ चार उम्मीदवारों तक सीमित है, लेकिन इसके राजनीतिक मायने गहरे हैं। अक्टक्ट इस बार चुनाव मैदान में नहीं है, जबकि 2017 में उसकी मौजूदगी ने नतीजों को सीधे तौर पर प्रभावित किया था। 2017 के बीएमसी चुनाव में इस वार्ड से शिवसेना के मिलिंद दत्ताराम वैद्य ने 6899 वोट (32.06%) हासिल कर जीत दर्ज की थी। दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के राजन सुरेश पार्कर रहे थे, जिन्हें 5476 वोट (25.45%) मिले थे। कांग्रेस को 3214 वोट (14.93%), भाजपा को 2685 वोट (12.47%) और AIMIM के रऊफ उस्मान मिठाईवाला को 1804 वोट (8.38%) प्राप्त हुए थे।

राजनीतिक विश्लेषण के अनुसार, AIMIM को मिले 1804 वोटों ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। माना जाता है कि अगर AIMIM मैदान में न होती, तो इन वोटों का बड़ा हिस्सा

मनसे और कांग्रेस की ओर जा सकता था। यही कारण रहा कि मजबूत वोट शेयर के बावजूद मनसे के राजन पार्कर जीत से 1423 वोट पीछे रह गए। अब 2026 के चुनावी परिदृश्य में स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। शिवसेना विभाजन के बाद इस वार्ड में उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट ही शिवसेना का प्रतिनिधित्व कर रहा है, और उसे मनसे का समर्थन प्राप्त है। इससे 2017 में बंटे हुए मराठी वोटों के एकजुट होने की संभावना जताई जा रही है। सबसे बड़ा राजनीतिक मोड़ यह है कि 2017 में मनसे उम्मीदवार रहे राजन सुरेश पार्कर इस बार भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं। भाजपा को उम्मीद है कि पार्कर की स्थानीय पकड़ और 2017 में मिले मनसे वोटों का एक हिस्सा इस बार उसके खाते में आएगा। वहीं, AIMIM के मैदान में न होने से लगभग 1800 वोटों का सवाल खड़ा हो गया है। यह वोट बैंक किस ओर झुकेगा, यही इस सीट का नतीजा तय करने वाला अहम फैक्टर माना जा रहा है। कुल मिलाकर, वार्ड 182 का यह चुनाव सिर्फ उम्मीदवारों की लड़ाई नहीं, बल्कि 2017 में कटे वोटों के पुनर्संयोजन की परीक्षा है। बदले गठबंधन, पुराने आंकड़े और नए राजनीतिक समीकरण इस सीट को एक बार फिर कांटे की टक्कर में बदलते दिख रहे हैं।

महिम वार्ड 190: 2017 में भाजपा की मामूली अंतर से जीत, अब बदले सियासी समीकरणों में फंसा मुकाबला...

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका के महिम स्थित वार्ड क्रमांक 190 का राजनीतिक इतिहास हमेशा से चर्चा में रहा है। वर्ष 2017 के बीएमसी चुनाव में इस वार्ड से भारतीय जनता पार्टी की शीतल सुरेश गंभीर ने जीत दर्ज की थी। उन्हें 8401 वोट (29.48%) मिले थे, जबकि शिवसेना की वैशाली राजेश पाटणकर को 7958 वोट (27.92%) प्राप्त हुए थे। दोनों के बीच जीत का अंतर महज 443 वोटों का रहा, जिसने इस वार्ड को बेहद कांटे का मुकाबला साबित किया था।

2017 के चुनाव में तीसरे स्थान पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) की उम्मीदवार भारती विरेंद्र तांडेल रहीं, जिन्हें 7769 वोट (27.26%) मिले थे। इस तरह तीनों प्रमुख दलों के बीच वोटों का बंटवारा लगभग बराबरी का रहा, और मामूली अंतर से भाजपा ने बाजी मारी थी। हालांकि, वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका है। शिवसेना अब एक नहीं रही, बल्कि दो गुटों–उद्धव बालासाहेब ठाकरे गुट और एकनाथ शिंदे गुट–में बंट चुकी है। उद्धव ठाकरे गुट को इस बार महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) का समर्थन मिल रहा है, जिससे मराठी वोट बैंक के एकजुट होने की संभावना जताई जा रही है।

वहीं दूसरी ओर, एकनाथ शिंदे गुट खुलकर भारतीय जनता पार्टी के साथ खड़ा है। ऐसे में 2017 में बेहद कम अंतर से जीती भाजपा के लिए यह सीट आसान नहीं मानी जा रही। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर 2017 में बंटा हुआ वोट इस बार किसी एक धड़े के पक्ष में एकजुट हुआ, तो नतीजे पूरी तरह बदल सकते हैं।

माहिम प्रभाग 182 में महाविकास युति को मजबूती राज ठाकरे से मुलाकात के बाद कार्यकताओं में नया जोश

मुंबईः चुनाव प्रचार के दूसरे दिन शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की युति से जुड़े प्रमुख कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष श्री राज ठाकरे से सदिच्छा भेंट की। इस अवसर पर प्रभाग क्रमांक 182 से युति के उम्मीदवार मिलिंद वैद्य भी उपस्थित रहे। इस दौरान संगठनात्मक समन्वय, चुनावी प्रचार की दिशा और जमीनी स्तर पर संवाद को लेकर चर्चा हुई। युति से जुड़े

नेताओं ने बताया कि इस तरह की मुलाकातें कार्यकर्ताओं के मनोबल को मजबूत करती हैं और प्रचार अभियान को अधिक संगठित रूप देने में सहायक होती हैं।

प्रभाग क्रमांक 182 में युति की ओर से जनसंपर्क अभियान जारी है। स्थानीय मुद्दों को लेकर मतदाताओं से संवाद, बैठकों और प्रचार गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस भेंट को युति के भीतर आपसी तालमेल और रणनीतिक संवाद के तौर पर देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में प्रचार अभियान किस तरह आगे बढ़ता है, इस पर राजनीतिक हलकों की नजर बनी हुई है।

माहीम वार्ड 190 में कांग्रेस की मुश्किलें बरकरार, दयाशंकर यादव को शिवसेना (UBT) और भाजपा से कड़ी चुनौती

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव 2016 के तहत माहीम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 190 में कांग्रेस के लिए राह आसान नजर नहीं आ रही है। कांग्रेस ने इस वार्ड से दयाशंकर यादव को उम्मीदवार बनाया है, लेकिन जमीनी हालात पार्टी के पक्ष में मजबूत दिखाई नहीं दे रहे हैं। स्थानीय स्तर पर कांग्रेस संगठन की कमजोर पकड़, सीमित कैडर और चुनावी रणनीति की कमी दयाशंकर यादव की मुश्किलें बढ़ा रही है। वार्ड में शिवसेना (उद्धव बाळासाहेब ठाकरे गुट) की पारंपरिक मौजूदगी और भाजपा की आक्रामक चुनावी मशीनरी के सामने कांग्रेस पिछड़ती हुई दिख रही है।

स्थानीय नागरिकों का कहना

है कि पिछले कुछ वर्षों में कांग्रेस का सक्रिय हस्तक्षेप वार्ड में नजर नहीं आया, जिसका असर चुनावी माहौल पर साफ दिखाई दे रहा है। कई इलाकों में पार्टी कार्यकर्ताओं की निष्क्रियता और आपसी असंतोष भी चर्चा का विषय बना हुआ है वहीं शिवसेना (UBT) स्थानीय मुद्दों और भावनात्मक अपील के जरिए वोटरों को साधने की कोशिश कर रही है, जबकि भाजपा विकास के दावों और मजबूत संगठन के दम पर मुकाबले में बढ़त लेने का प्रयास कर रही है। ऐसे में माहीम वार्ड 190 में कांग्रेस उम्मीदवार दयाशंकर यादव त्रिकोणीय मुकाबले में कमजोर कड़ी के रूप में देखे जा रहे हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि कांग्रेस ने आखिरी दौर में रणनीति और जमीनी अभियान में बदलाव नहीं किया, तो वार्ड 190 में पार्टी को बड़ा झटका लग सकता है।

मुंबई : उद्धव और राज ठाकरे नेबीएमसी चुनाव के लिए जॉइंट घोषणापत्र जारी किया, महायुति पर निशाना साधा

मुंबई : शिवसेना (यूबीटी) चीफ उद्धव ठाकरे और MNS चीफ राज ठाकरे ने मुंबई के लोगों के लिए ढेरों सौगातों से भरा एक जॉइंट मैनिफेस्टो जारी किया। **700** sq ft से कम के फ्लैट्स पर प्रॉपर्टी टैक्स माफ करने, घरेलू काम करने वालों को हर महीने ₹1,500 देने और मराठी मानुष के लिए 100,000 सस्ते घरों के अलावा, दोनों भाइयों ने बेहतर मेंटेनेंस के लिए MMRDA, MSRDC और PWD द्वारा मैनेज की जाने वाली सड़कों सहित शहर की सभी सड़कों कोबीएमसी के अधिकार क्षेत्र में लाने का वादा किया।मुंबई, भारत - 4 जनवरी, 2026: MNS लीडर राज ठाकरे, शिवसेना (यूबीटी) उद्धव ठाकरे और संजय राउत के साथ रविवार, 4 जनवरी, 2026 को मुंबई, भारत में सेना भवन में जॉइंट मैनिफेस्टो जारी करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मीडिया से बात करते हुए। महायुति उम्मीदवारों के बिना विरोध चुने जाने के विवादित मुद्दे को उठाते हुए, उद्धव ने कहा कि वोट चोरी के बाद, महायुति ने अब उम्मीदवारों को चुराना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा, ''कल्याण डोंबिवली और ठाणे में उम्मीदवारों का बिना विरोध के चुना जाना लोकतंत्र और लोगों का अपमान है।

वहां चुनाव प्रक्रिया नए सिरे से शुरू होनी चाहिए और रिटर्निंग अधिकारियों की टेलीफोन रिकॉर्ड की जांच होनी चाहिए।'' उद्धव ने कहा कि राज्य चुनाव आयोग ने उन चुनाव नतीजों पर रोक लगा दी थी जहां उम्मीदवार बिना विरोध के चुने गए थे।

राज ठाकरे ने कहा कि जब पश्चिम बंगाल में कोई बिना विरोध के चुना गया, तो भाजपा इसके खिलाफ कोर्ट चली गई। उन्होंने मांग की, ''अगर वे पश्चिम बंगाल में इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते, तो वे यहां इसे कैसे कर सकते हैं?''उद्धव ने आरोप लगाया कि राज्य चुनाव आयोग ने उन्हें उद्धƒ-19 के दौरान उनकी टश्अ सरकार द्वारा किए गए कामों पर एक बुकलेट जारी करने की अनुमति नहीं दी थी, लेकिन वह फिर भी इसे जारी करेंगे। उन्होंने कहा, ''अगर राज्य चुनाव आयोग में हिम्मत है तो उसे इसे रोकने दो।'' ''अगर चीन ने 15 दिनों में एक फील्ड हॉस्पिटल बनाया, तो हमने इसे 18 दिनों में बनाया। हम लोगों को अपने अच्छे काम के बारे में बताएंगे।

संपर्क करने पर, राज्य चुनाव आयुक्त दिनेश वाघमारे ने कहा कि यह मामला उनके सामने कभी नहीं आया। एकबीएमसी ऑफिसर ने बताया, ''बुकलेट में उस समय केबीएमसी कमिश्नर आई एस चहल की 12 तस्वीरें थीं, जो अबबीएमसी चुनावों के लिए स्पेशल ऑब्जर्वर हैं। इसमें उस समय के एडिशनल कमिश्नर (हेल्थ) सुरेश काकानी की तस्वीरें थीं, जो अभी इलेक्शन कमीशन के सेक्रेटरी हैं। इन दोनों को दिखाने से गलत मैसेज जाता। हमने बुकलेट से बहुत सारी चीजें हटाकर उसे क्लियर कर दिया है।''उद्धव ने भाजपा नेता और लेजिस्लेटिव असेंबली स्पीकर राहुल नार्वेकर पर कड़ी आपत्ति जताई, जिनका वीडियो हाल ही में वायरल हुआ था जिसमें वे टछउ हरिभाऊ राठौड़ की सिक्योरिटी हटाने की धमकी दे रहे थे, क्योंकि उन्होंने बायकुला इलेक्शन ऑफिस में उनसे बहस की थी। राठौड़ रिटर्निंग ऑफिसर कृष्ण जाधव से एक कैंडिडेट का नॉमिनेशन फॉर्म एक्सेप्ट करने की रिक्वेस्ट कर रहे थे।उद्धव ने कहा, ''एक स्पीकर को न्यूट्रल होना चाहिए।'' ''वह किसी का पक्ष नहीं ले सकते और पॉलिटिकल कैंपेन नहीं कर सकते। उन्हें किसी की सिक्योरिटी छीनने का कोई हक नहीं है। नार्वेकर के खिलाफ FIR होनी चाहिए और उन्हें सस्पेंड किया जाना चाहिए।'' भाजपा ने पलटवार करते हुए मुंबई भाजपा प्रेसिडेंट और टछअ अमीत साटम द्वारा जारी शिवसेना (यूबीटी) के खिलाफ 'आरोप पत्र' (चार्जशीट) जारी किया।

भिवंडी शहर में बढ़ा प्रदूषण सांस लेना हुआ मुश्किल

भिवंडी : दिल्ली शहर की तरह भिवंडी में भी पूरा वायु मंडल प्रदूषित हो गया है। शहर और ग्रामीण इलाकों की सड़कों की हालत इस समय बेहद खराब है और गड्डों से भरी सड़कों से उड़ती धूल ने भिवंडी के निवासियों और इस मार्ग पर यात्रा करने वाले नागरिकों को बीमारियों के मुंह में डाल दिया है।

सड़कों से उड़ती धूल ने शहर और ग्रामीण इलाकों में वायु प्रदूषण बढ़ा दिया है, जिससे कई लोगों को खांसी और सांस लेने में तकलीफ

होने लगी है। शहर में अंजुर फाटा और कल्याण नाका के बीच सड़क चौड़ीकरण का काम चल रहा है, इसलिए शहर में निर्माण कार्य पर हथौड़ा गिर रहा है। इस सड़क चौड़ीकरण कार्य के कारण बहुत अधिक धूल उड़ रही है और शहर में प्रदूषण पैदा हो गया है।

इस बीच, शहर से सटे सड़कों, भिवंडी वाडा रोड, भिवंडी अंजुर फाटा चिंचोटी राजमार्ग, अंजुर फाटा ठाणे राजमार्ग, भिवंडी परोल राजमार्ग पर मरम्मत का काम चल रहा है, सड़क से बहुत अधिक धूल उड़ रही है। इस धूल के कारण सड़क पर दृश्यता कम हो जाती है, कई लोगों को सावधानी से वाहन चलाना ड़ता है, जबकि इस उड़ती धूल से कई लोगों को खांसी और सांस की बीमारियां हो रही हैं, इसलिए नागरिकों को सड़क पर यात्रा करते समय बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है।

सास ने अपने दोस्त की मदद से की बहू की हत्या !

कल्याण : दो महीने पहले इंडियन रेलवे में काम करने वाले पति की मौत के बाद पत्नी को 10 लाख रुपए की ग्रेच्युटी मिली थी। साथ ही, सास का कहना था कि उसे मरे हुए पति की जगह अपने पोते को अनुकंपा के आधार पर वहां नौकरी दिलाने की कोशिश करनी चाहिए। इसके बजाय, बहू ने अपने लिए अनुकंपा के आधार पर रेलवे में नौकरी के लिए अप्लाई किया था। इस बात पर और बहू के कुछ कंट्रीब्यूशन अमाउंट सास को देने से मना करने पर, सास ने अपनी दोस्त की मदद से दो दिन पहले कल्याण ईस्ट के जिम्मीबाग, करपेवाड़ी इलाके में अपने घर में बहू की हत्या कर दी। महात्मा फुले पुलिस स्टेशन की पुलिस ने इस मर्डर केस की जांच की है और लताबाई नाथा गंगुर्डे (60, निवासी श्रीनिवास चॉल, न्यू जिम्मीबाग, करपेवाड़ी, कोलसेवाड़ी, कल्याण ईस्ट), लताबाई के दोस्त जगदीश महादेव म्हात्रे (67, निवासी वरपगांव, कल्याण) को गिरफ्तार किया है।

मुंबई : जोगेश्वरी के निवासियों ने चुनाव उम्मीदवारों के सामने फ्लाईओवर के शोर की चिंता जताई

मुंबई : जोगेश्वरी वेस्ट के रहने वाले, जो करीब चार साल से हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे फ्लाईओवर पर नॉइज बैरियर लगाने की मांग कर रहे हैं, अब 15 जनवरी को होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले वोट मांगने वाले उम्मीदवारों के सामने यह मुद्दा उठा रहे हैं।यह फ्लाईओवर अब जोगेश्वरी वेस्ट में रश रोड को ईस्ट में WEH से जोड़ता है। प्रोजेक्ट का दूसरा फेज, जो फ्लाईओवर को खश्छक से जोड़ता है, बन रहा है।सितंबर 2015 में जोगेश्वरी ईस्ट और वेस्ट को जोड़ने के लिए **2.2** km लंबे फ्लाईओवर का मुश्किल से एक किलोमीटर हिस्सा ट्रैफिक के लिए खोला गया

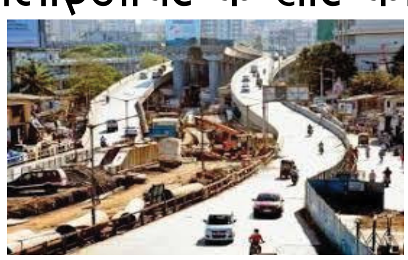

था। प्रोजेक्ट के दूसरे फेज में मौजूदा JVLR फ्लाईओवर और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर मुंबई मेट्रो लाइन 7 के ऊपर से पुल को बढ़ाना शामिल है, जो जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड पर खत्म होगा। यह फ्लाईओवर दोनों तरफ कई रिहायशी इमारतों से कुछ फीट की दूरी पर है, जिससे रहने वालों को लगातार ट्रैफिक के शोर का सामना करना पड़ता है।लोगों ने कहा कि उन्होंने ङ-वेस्ट वार्ड ऑफिस, चीफ इंजीनियर (ब्रिज) से बार-बार नॉइज बैरियर लगाने की रिक्वेस्ट की है। इसके बाद, लोगों ने बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन **(BMC)** कमिश्नर भूषण गगरानी को एक लेटर लिखा, जिसमें इस मामले को सुलझाने के लिए दखल देने की मांग की गई। जब उनकी रिप्रेजेंटेशन का कोई जवाब नहीं मिला, तो लोगों ने सिविक बॉडी को एक लीगल नोटिस भी दिया।सिविक अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट कर रहे एक रहने वाले मंसूर दरवेश ने कहा, ''साउंड पॉल्यूशन बर्दाश्त से बाहर है, खासकर फ्लाईओवर पर हॉर्न बजाने और बार-बार ट्रैफिक जाम होने की वजह से। कई बार फॉलो-अप करने के बाद भी कुछ नहीं हुआ।''

वाशिम : चाइनीज मांझा: सड़क हादसों का बढ़ता खतरा, प्रशासन पर सवाल

वाशिम : वाशिम जिले के शिरपुर क्षेत्र में जानलेवा चाइनीज मांझे के कारण एक गंभीर हादसा सामने आया। खेरू बुद्धु चौधरी (57) बाइक से घर लौट रहे थे, तभी खंडोबा मंदिर के पास सड़क पर लटक रहे चाइनीज मांझे की चपेट में आ गए। इस दुर्घटना में चौधरी की गर्दन पर गहरा घाव आया। घायल चौधरी ने बताया कि उन्होंने अचानक मांझे से टकराने के बाद खुद को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब भी चोट लग गई। गनीमत यह रही कि चौधरी समय रहते बाइक रोक पाए, जिससे उनकी जान बच गई और एक बड़ी सड़क दुर्घटना टली। चोट के बाद उन्होंने शिरपुर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पीड़ित के अनुसार, पुलिस ने अवैध रूप से चाइनीज मांझा बेचने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है। हालांकि स्थानीय लोग पुलिस की सक्रियता पर संतुष्ट नहीं हैं और उन्होंने प्रशासन से मांझे की बिक्री और उपयोग पर सख्त रोक लगाने की मांग की है। मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने में उपयोग होने वाला चाइनीज मांझा हर साल कई दुर्घटनाओं का कारण बनता है। लोगों ने कहा कि खुले में बेचे जाने वाले मांझे सड़क हादसों और चोटों के लिए जिम्मेदार हैं। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अगर पुलिस समय रहते सख्ती बरते और अवैध मांझे की बिक्री पर रोक लगाए, तो इस तरह के हादसे टाले जा सकते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि चाइनीज मांझे में इस्तेमाल होने वाला स्टील और ग्लास फाइबर बहुत तेज होता है और यह बाइक, मोटरसाइकिल या राहगीरों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। इस कारण से इसकी बिक्री पर रोक लगाना और मौसमी त्योहारों में सुरक्षा के उपाय अपनाना बेहद जरूरी है। हालांकि, चौधरी की तत्परता और स्वयं की सावधानी ने जान बचाने में मदद की। घायल होने के बावजूद उन्होंने कहा कि इस हादसे ने उन्हें पुलिस और प्रशासन के प्रति गहरी चिंता जताने पर मजबूर कर दिया।

मुंबई : उद्धव ठाकरे के 'चाटम' वाले बयान पर अमित साटम का पलटवार, बोले- '15 को मराठी जनता देगी जवाब'

मुंबई : महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे ने मुंबई के बीजेपी अध्यक्ष के नाम को लेकर कटाक्ष किया. उन्होंने अमित साटम को लेकर कहा कि कौन चाटम? अब उनके इस बयान पर सियासत तेज हो गई. इस बीच मुंबई बीजेपी अध्यक्ष ने उनके बयान को लेकर प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने बयान को लेकर कहा कि उद्धव मामू ने मेरे उपनाम का अपमान कर मध्यमवर्गीय मराठी और कोंकणी मराठी समाज का अपमान किया है. उद्धव ठाकरे ने ये गाली हर मराठी आदमी को दी है. इस गाली का जवाब 15 तारीख को मराठी जनता देगी.

अमित साटम ने आगे कहा कि जोहरान ममदनी ने उमर खालिद के लिए सहानुभूति व्यक्त की. ऐसे उमर खालिद के समर्थन के लिए आदित्य ठाकरे एक मंच पर पहुंचे थे. इसलिए उद्धव मामू को मुंबई का इस्लामीकरण नहीं करने देंगे. अंतरराष्ट्रीय जिहादी ताकत मुंबई पर कब्जा करना चाहती है. मुंबई शहर का रंग बदलना चाहते हैं. इसी साजिश के तहत मुंबई पर भी आंखें जमा रखी हैं. उद्धव भी भागीदार हैं उनके बयान से साफ होता है.

उद्धव ठाकरे पर बोला तीखा हमला

उद्धव ठाकरे के बयान, 'भाजपा आई तो मुंबई बनेगा अदानिस्तान का जवाब देते हुए अमित साटम ने कहा कि उद्धव जीते तो मुंबई बनेगा पाकिस्तान. क्योंकि उद्धव ठाकरे की नीति और नियत है, उनके प्रचार बम ब्लास्ट का आरोपी करता है. उनके प्रचार में पाकिस्तान के झंडे फहराए गए. उन्होंने आगे कहा कि दंगे के आरोपी राशिद मामू को अपनी पार्टी में शामिल किया है. अपने मैनिफेस्टो में मराठी शब्द का उपयोग नहीं किया. शिवसेना प्रमुख बाला साहेब ठाकरे के नाम के आगे हिंदूहृदय सम्राट नाम हटाया है. उद्धव ठाकरे ने हरे रंग का चश्मा पहना हुआ है. ममदानीकरण करना चाहते हैं.

उद्धव ठाकरे के 'हिंदू हैं, हिंदी नहीं' वाले बयान पर कहा कि उन्हें उर्दू चलती है, जर्मन-फ्रेंच चलती है. उनके बेटे को जर्मन चलता है. उन्होंने उर्दू भाषा भवन की मांग की उन्हें हिंदी से एलर्जी है. विधानसभा में करारा जवाब जनता ने दिया था अब मुंबई की जनता भगवा तूफान लाने वाली है.

वारिस पठान को लेकर क्या बोले अमित साटम

वारिस पठान ने हाल ही में कहा था कि कलमा पढ़ने वाली मेयर बनेगी। इस पर अमित साटम ने कहा कि वारिस पठान से अपेक्षा नहीं है. लेकिन उद्धव ठाकरे ने वारिस के बयान पर आपत्ति क्यों नहीं जताई, उनकी नियत साफ है. अमित साटम ने कहा कि चुनाव में एक परिवार दांव पर लगा है. वो परिवार जिसे हर हफ्ते की स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग से कमीशन मिलता था. अब उनका कमीशन दाव पर है. BMC एक परिवार की जागीर नहीं है. अगर कोई ठाकरे ब्रांड था तो हिंदुहृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे थे.

ओवैसी को लेकर क्या बोले?

असदुद्दीन ओवैसी को लेकर उन्होंने कहा कि वह समाज विरोधी और देशविरोधी बयान देते आए है. हमारा आक्षेप धर्म पर नहीं है लेकिन जो वंदे मातरम का विरोध करेगा, जो भारत माता की जय का विरोध करेगा हम उनका विरोध करेंगे. पीएम मोदी जो योजनाएं लाए हैं वो नहीं देखा की उसका फायदा किसी एक धर्म को होगा दूसरे को नहीं. हमारा किसी पूजा उपासना पद्धति का विरोध नहीं है. अमित साटम ने आगे कहा

मुंबई : बीएमसी चुनाव मुंबई (सेंट्रल) क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय 14 और 15 जनवरी को बंद रहेगा

मुंबई : आर्थिक नगरी मुंबई में नगर निगम चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। भाजपा, शिवसेना और कांग्रेस समेत सभी दलों ने अपनी-अपनी चुनावी तैयारी को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। वहीं, शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न कराने के लिए चुनाव आयोग ने भी युद्ध स्तर पर तैयारी शुरू कर दी है। इस क्रम में चुनाव आयोग ने कुछ जरूरी दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस क्रम में बृहन्मुंबई नगर निगम चुनाव प्रक्रिया के मद्देनजर मुंबई (सेंट्रल) क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय 14 और 15 जनवरी (बुधवार और गुरुवार) को बंद रहेगा।

परिवहन विभाग ने सूचित किया है कि इस अवधि के दौरान क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में नागरिकों का कोई भी नियमित कार्य नहीं किया जाएगा। राज्य चुनाव आयोग के आदेशानुसार, संबंधित चुनाव अधिकारियों को पंचायत और नगरपालिका चुनावों के लिए आवश्यक कर्मचारियों, भवनों और वाहनों को अधिग्रहित करने का अधिकार दिया गया है। इसके अनुसार बृहन्मुंबई नगर निगम के उप चुनाव अधिकारी ने 15 जनवरी 2026 को होने वाले नगरपालिका चुनावों के लिए मतदान प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के भवन और परिसर को दो दिनों के लिए अधिग्रहित कर लिया है।

अतः मुंबई (सेंट्रल) के क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय में सभी सेवाएं और परिचालन 14 और 15 जनवरी 2026 को पूरी तरह से बंद रहेंगे, और नागरिकों से अनुरोध है कि वे इस बात का ध्यान रखें और संबंधित सेवाओं के लिए अपने काम को वैकल्पिक तिथियों पर पुनर्निर्धारित करें। बता दें कि मुंबई नगर निगम चुनाव 2026 के लिए सियासी हलचल तेज हो गई है। 227 वार्डों के लिए 2516 उम्मीदवार ताल ठोक रहे हैं। मतदान 15 जनवरी 2026 को होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को संपन्न होगी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि 2017 में 227 पार्षदों में शिवसेना के 84, भारतीय जनता पार्टी के 82 और कांग्रेस के 31 पार्षद चुने गए थे।

मुंबई : मालेगांव में मजबूरी, BJP ने उतारे चार मुस्लिम कैंडिडेट, सवाल पर क्या बोले रवींद्र चव्हाण?

मुंबई : बीएमसी चुनावों के बाद मुंबई का मेयर कौन बनेगा? इसको लेकर जुबानी जंग जारी है। न्यूयॉर्क में जोहरान ममदानी की जीत के बाद मुंबई बीजेपी चीफ अमीत साटम ने कहा था कि किसी खान को बीएमसी में मेयर की कुर्सी पर नहीं बैठने देंगे। इसके बाद से मेयर को लेकर बहस जारी है। मुंबई में बीजेपी ने एक मुस्लिम को टिकट नहीं दिया है लेकिन मुंबई से 290 किलोमीटर दूर मालेगांव में बीजेपी अपना नियम तोड़ दिया है। बीजेपी ने चार मुस्लिम कैंडिडेट मैदान में उतारा है। इसी बीजेपी की मजबूरी के तौर पर देखा जा रहा है।

क्या बोले रवींद्र चव्हाण?

बीजेपी ने मालेगांव में कुल 22 कैंडिडेट खड़े किए हैं। इसमें 4 मुस्लिम प्रत्याशी भी है। मुस्लिम कैंडिडेट उतारने की अपनी रणनीति का बीजेपी ने बचाव किया है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने कहना है कि पार्टी सभी समुदायों को साथ लेकर चलती है। मुस्लिम कैंडिडेट की उम्मीदवारी को उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विकास कार्यों को एकता का प्रतीक बताया है। मालेगांव में बीजेपी ने सभी 22 उम्मीदवारों को चुनने का आग्रह किया है। मालेगांव नगर निगम का सालाना बजट लगभग 1,100 करोड़ है। नगर निगम में कुल 21 वार्ड है। चार कैंडिडेट के पैनल के हिसाब से कुल 84 पार्षद चुने जाएंगे। इसके साथ पांच मनोनीत सदस्य भी होंगे।

2017 कांग्रेस बनी थी सबसे बड़ी पार्टी

2017 के चुनावों में कांग्रेस 28 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी। उसके बाद NCP 26 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर थी। इस साल बीजेपी का लक्ष्य शहर में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल करना है। मालेगांव में कांग्रेस, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के साथ समाजवादी पार्टी और असुदद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली अक्टक्ट भी चुनाव लड़ रही है। मालेगांव में मुंबई और दूसरी नगर महापालिकाओं के साथ ही वोट डाले जाएंगे। नतीजे 16 जनवरी को आएंगे। 2024 के विधनसभा चुनावों में मालेगांव विधानसभा सीट पर एआईएमआईएम को जीत मिली थी।

बीजेपी महायुति की सत्ता की भूख लोकतंत्र के लिए खतरा - हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई : राज्य में लोकल बॉडी के चुनावों में फ्री और फेयर चुनाव की पॉलिसी हार गई है। मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी चीफ मिनिस्टर डेमोक्रेसी को लपेटकर पैसे से खेल रहे हैं। वोटिंग से पहले ही हॉर्स ट्रेडिंग चल रही है, बीजेपी और महागठबंधन की सत्ता की भूख डेमोक्रेसी को निगलने के पॉइंट पर पहुंच गई है। 'बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपैया' का नारा नगर निगम चुनावों में जोरों पर चलाया जा रहा है, इसकी आलोचना हो रही है।

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने यह किया है।

तिलक भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव कोई नई बात नहीं है, एक हेल्दी डेमोक्रेसी में विपक्षी पार्टियां भी उतनी ही जरूरी हैं। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की कैबिनेट में छह नॉन-कांग्रेसी मंत्री थे, यह हमारी संस्कृति और परंपरा है, लेकिन विपक्ष न चाहने की आदत है। बीजेपी और महागठबंधन ने इसे बनाया है और रूलिंग पार्टी इसे बिना विरोध के करवाने के लिए किसी भी लेवल पर जा रही है।

मुंबई : गोयल ने छह विधानसभा क्षेत्रों में छह अत्याधुनिक कौशल विकास केन्द्र गठित करने की घोषणा की

मुंबई : केंद्रीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने उत्तर मुंबई के छह विधानसभा क्षेत्रों में छह अत्याधुनिक कौशल विकास केन्द्र गठित करने की घोषणा की है। गोयल, उत्तर मुंबई से लोकसभा सदस्य हैं।

बयान में कहा गया कि एक केन्द्र, अटल बिहारी वाजपेयी कौशल्य विकास केंद्र, कांदिवली पूर्व में पहले से ही काम कर रहा है। शहर में ठाकुर विलेज और शिंपोली जैसी दूसरी जगहों पर भी ये केन्द्र खुलेंगे। इन कदमों के अनुमानित असर में 14 महीनों में 35,000 से ज्यादा नौकरियां सृजित होना, उद्योग और रोजगार के लिए कार्यबल तैयार के मकसद से प्रशिक्षण, सीधा भर्ती समर्थन और करियर परामर्श तथा भविष्य के हिसाब से कौशल प्रशिक्षण शामिल हैं।

संपादकीय...

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

साम्राज्यवाद का प्रतिरोध आवश्यक...

वेनेजुएला में अमेरिकी हमला यही दशार्ता है कि हम महाशक्तियों की घातक प्रतिस्पर्धा और उनके मनमाने हस्तक्षेपों के दौर में जी रहे हैं। ऐसे दौर में जहां अंतरराष्ट्रीय कानूनों और जंगल के कानूनों में कोई अंतर ही नहीं रह गया है। वेनेजुएला में तख्तापलट के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शेखी बघारते हुए कहा, ह्रहमें इसे फिर से करना होगा, हम फिर से ऐसा कर सकते हैं और कोई हमें रोक नहीं सकता।ह्न यानी जिसकी लाठी उसी की भैंस। ट्रंप का यह औपनिवेशिक दावा कि ह्रहम वेनेजुएला को चलाएंगे और सुनिश्चित करेंगे कि इसे ठीक से चलाया जाएह्न, स्पष्ट संकेत है कि शक्तिशाली ही शक्तिहीन पर राज करेंगे। ट्रंप ने वेनेजुएला में अवैध रूप से सत्ता परिवर्तन करके वहां के खनिजों को अमेरिकी कंपनियों के एकाधिकार में लाने की खुलेआम घोषणा से सिद्ध कर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानूनों के जो भी बचे-कुचे बंधन थे, वे भी ध्वस्त होते जा रहे हैं। इससे पहले रूस ने अपने मुकाबले कमजोर पड़ोसी यूक्रेन पर आक्रमण कर उस पर विशेषाधिकारों का दावा किया। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के अनुसार बड़ी शक्तियों को अपने-अपने प्रभाव वाले क्षेत्र रखने की स्वतंत्रता होनी चाहिए और यूक्रेन की सच्ची संप्रभुता तभी संभव है जब वह रूस के प्रति मित्रवत और पराधीन रहे। इनके उलट चीन ने अभी तक ताइवान पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण करने या भारत, वियतनाम, फिलीपींस अथवा जापान पर सीधे हमले का प्रयास नहीं किया है, परंतु कमजोर पड़ोसियों के प्रति उसका भी औपनिवेशिक और दबंग रवैया है जो दिन-प्रतिदिन और बिगड़ता जा रहा है। जब सभी बलशाली देश आक्रामक और लुटेरे तेवरों पर उतर आएं तो बड़ी मछली का छोटी मछली को निगलना सामान्यीकृत होने लगता है।

वैश्विक राजनीति के बारे में कहा जाता है कि वह सिद्धांतों एवं मानदंडों के आधार पर संचालित होती है, लेकिन हालिया उदाहरण कुछ और ही संकेत करते हैं। वेनेजुएला में अमेरिकी हमले के बाद ताइवान को लेकर समय-समय आक्रामकता दिखाने वाले चीन पर भी अंतरराष्ट्रीय कानून वाले तर्क बेमानी हो जाते हैं। लैटिन भाषा में ह्रटू कुआकवेह्न जैसी एक संकल्पना है, जिसके अनुसार प्रतिद्वंद्वी के व्यक्तिगत व्यवहार और कार्यों को उनके तर्क के साथ असंगत बताकर उनके तर्क को अमान्य कर दिया जाता है। वेनेजुएला में सशस्त्र हमला कर और उसकी आंतरिक राजनीति को जबरदस्ती बदलकर ट्रंप ने हर संभावित हमलावर को सुविधाजनक बहाना दे दिया है। ट्रंप प्रशासन की नवीनतम राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि अमेरिका लैटिन अमेरिका पर प्रभुत्व स्थापित करने और एक ऐसे पश्चिमी गोलार्ध का निर्माण करने के लिए उन्नीसवीं सदी के ह्रमोनरो सिद्धांतह्न को समकालीन संदर्भ में लागू करेगा, जिससे पूरे क्षेत्र की सरकारों को अमेरिका के आर्थिक और सामरिक हितों के अनुसार चलना होगा। अगर लैटिन अमेरिका में अमेरिका की धौंस जायज है, तो एशिया में चीन अपने आप को बेताज बादशाह क्यों न मान ले?

editor@rokthoklekhani.com
+91 9987775650
Faisal Shaikh @faisalrokthok

ROKTHOK LEKHANI NEWS
KHABREIN BE ROKTOK
Watch Us On YouTube
LIKE SHARE COMMENT SUBSCRIBE
youtube@rokthoklekhani

मुंबई के ट्रेन यात्रियों के लिए खास तोहफा

राजधानी-शताब्दी में लगेंगे एक्स्ट्रा AC कोच, वेस्टर्न रेलवे का फैसला

मुंबई : नए साल में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वेस्टर्न रेलवे ने राजधानी और शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़ने का फैसला किया है। यह सुविधा 31 जनवरी तक जारी रहेगी। मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली तेजस राजधानी , मुंबई-अहमदाबाद शताब्दी और साबरमती राजधानी एक्सप्रेस में एक-एक अतिरिक्त कोच लगाया गया है। इससे यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। प्रतीक्षा सूची वाले यात्रियों को और फायदा होगा।

किस ट्रेन में एक्स्ट्रा कोच?

राजधानी और शताब्दी 31 जनवरी तक एक्स्ट्रा कोच के साथ चलेंगी। ट्रेन नंबर 12951/52 मुंबई सेंट्रल-नई दिल्ली तेजस राजधानी में एलएचबी का एक तृतीय वातानुकूलित कोच और ट्रेन नंबर 12957/58 साबरमती-नई दिल्ली स्वर्ण जयंती राजधानी में एक थर्ड एसी कोच जोड़ा गया है। एक्स्ट्रा कोच लगने की वजह से तेजस राजधानी 22 कोच और स्वर्ण जयंती राजधानी 23 कोच के साथ चलेगी।

मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस में भी कोच

ट्रेन नंबर 12009/10 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद शताब्दी एक्सप्रेस में एक अउ चेयर कार जोड़ी गई है। इससे शताब्दी 22 कोच के साथ चलेगी। राजधानी और शताब्दी के स्टॉप और टाइमिंग में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इन ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों को एक्स्ट्रा कोच लगने से राहत मिलेगी।

यात्रियों को फायदा

वेस्टर्न रेलवे का अहमदाबाद कॉरिडोर रेलवे के सबसे ज्यादा भीड़भाड़ वाले रूट में से एक है। पिछले महीने जब इंडो-पैसिफिक फ्लाइट्स की सर्विस में रुकावट आई थी। तब भी इस रूट पर एक्स्ट्रा कोच लगाए गए थे। इन एक्स्ट्रा कोच से मुंबई से गुजरात, वडोदरा और अहमदाबाद जाने वाले नागरिकों को बहुत फायदा हुआ है।

वधान पोर्ट पर धोखाधड़ी

इस बीच वधान पोर्ट पर ट्रेनिंग के नाम पर धोखाधड़ी हो रही है। जो बनने के बाद दुनिया के टॉप पांच में शामिल है। वधान इलाके में चर्चा है कि इस बारे में एक एजेंसी नियुक्त की गई है। हालांकि वधान पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड ने साफ किया है कि ऐसी कोई एजेंसी नियुक्त नहीं की गई है। वधान पोर्ट का कंस्ट्रक्शन जवाहरलाल नेहरू पोर्ट अथॉरिटी कर रही है। VPPL, 'खठढअ' के तहत बनी एक कंपनी है। यह कंपनी प्रोजेक्ट के शिकार लोगों को ट्रेनिंग दे रही है। देखा गया है कि कुछ लोग यह कहकर फ्रॉड कर रहे हैं कि उन्हें इस ट्रेनिंग के नाम पर किसी थर्ड पार्टी एजेंसी ने अपॉइंट किया है। इसलिए, कंपनी ने अपनी वेबसाइट पर ऐसे फ्रॉड से सावधान रहने की चेतावनी दी है।

मुंबई : मंत्री प्रताप सरनाईक ने ST Tender प्रक्रिया में देरी पर अधिकारियों को चेतावनी दी

मुंबई : महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के चल रहे टेंडर प्रोसेस में तुरंत तेजी लाए ताकि 2026 के आखिर तक 8,000 नई बसें बेड़े में शामिल हो जाएं। इसमें कोई देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नहीं तो, संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, ट्रांसपोर्ट मिनिस्टर ने कहा। महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के प्रेसिडेंट प्रताप सरनाइक ने यह आदेश महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के साल 2025-26 के बजट फंड की रिव्यू मीटिंग में दिया।

मिनिस्टर सरनाइक ने महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के अलग-अलग डिपार्टमेंट के धीमे काम पर गहरी नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ने 2025-26 के बजट में महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन के लिए 2460 करोड़ रुपये का प्रोविजन किया है। लेकिन, फाइनेंशियल ईयर खत्म होने में सिर्फ तीन महीने बचे हैं, इसमें से करीब 1600 करोड़ रुपये बिना खर्च किए वापस आ गए हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। यह फंड आम जनता के टैक्स से आता है और उम्मीद है कि इसका इस्तेमाल यात्रियों के लिए बेसिक सुविधाओं, नई बसों की खरीद, बस स्टैंड के कंस्ट्रक्शन, रिपेयर और रेनोवेशन के लिए किया जाएगा। लेकिन बसों की खरीद और बस स्टैंड के काम के लिए टेंडर प्रोसेस पिछले नौ महीनों से अटका हुआ है। फंड खर्च नहीं हुआ है। इसके लिए संबंधित विभागों के नाकाबिल अधिकारी जिम्मेदार हैं।

मंत्री ने यात्रियों के लिए जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाओं, नई बसों, बस स्टैंड, टॉयलेट वगैरह के निर्माण के लिए जरूरी टेंडर और एडमिनिस्ट्रेटिव प्रक्रियाओं को तुरंत पूरा करके प्रोजेक्ट्स में तेजी लाने के लिए बाकी तीन महीनों में ज्यादा से ज्यादा फंड खर्च करने के साफ निर्देश दिए। प्रताप सरनाईक ने यह भी साफ कहा कि यात्रियों की सुविधा को सबसे ज्यादा प्राथमिकता देते हुए महाराष्ट्र स्टेट रोड ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन का मॉडर्नाइजेशन तेजी से किया जाएगा और इसके लिए प्रशासन को जिम्मेदारी से काम करना चाहिए।

इलेक्शन कमीशन के फ्लाइंग स्क्वॉड ने मुंबई पुलिस के साथ मिलकर 2.33 करोड़ रुपये जब्त किए

मुंबई : 2026 के बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनावों से पहले बिना हिसाब-किताब वाले कैश की आवाजाही पर बड़ी कार्रवाई करते हुए, इलेक्शन कमीशन के फ्लाइंग स्क्वॉड ने मुंबई पुलिस के साथ मिलकर 2.33 करोड़ रुपये जब्त किए। यह बरामदगी एक हाई-अलर्ट गाड़ी इंस्पेक्शन ड्राइव के दौरान हुई, जिसका मकसद निष्पक्ष और बिना किसी लालच के चुनाव प्रक्रिया सुनिश्चित करना था। खबर है कि यह जब्ती देवनार इलाके में एक रूटीन नाकाबंदी के दौरान हुई, जब सुरक्षा अधिकारियों ने दो संदिग्ध वैन को रोका। गाड़ियों की तलाशी लेने पर, अधिकारियों को कुल 2.33 करोड़ रुपये के करेंसी नोटों के ढेर मिले।

ट्रांसपोर्टेशन के दावे की जांच चल रही है

वैन में सवार लोगों ने कथित तौर पर अधिकारियों को बताया कि कैश शहर भर में अलग-अलग ऑटोमेटेड टेलर मशीनों में ले जाया जा रहा है। हालांकि, अधिकारियों ने पाया कि इतनी बड़ी मात्रा में कैश के कमर्शियल ट्रांसपोर्ट के लिए जरूरी डॉक्यूमेंटेशन और ऑथराइजेशन या तो अधूरे थे या चेकिंग के समय उनका ठीक से वेरिफिकेशन नहीं हुआ था। जब्ती के बाद, चुनाव आयोग ने तुरंत इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को अलर्ट किया।

डिपार्टमेंट की स्पेशल यूनिट्स ने अब पैसे के ऑफिशियल सोर्स का पता लगाने और उनके तय डेस्टिनेशन को कन्फर्म करने के लिए एक पैरेलल जांच शुरू कर दी है। चुनावों के लिए स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर के अनुसार, बिना वैलिड सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स के 50,000 रुपये से ज्यादा की कोई भी कैश जब्त होने पर उसकी अच्छी तरह से जांच होनी चाहिए ताकि 'वोट के लिए कैश बांटने' को रोका जा सके, जो लोकल बॉडी चुनावों के दौरान एक आम चुनौती है।

मुंबई : मोनोरेल नेटवर्क में कई टेक्निकल खराबी की वजह से रुकावट आने के बाद सिस्टम को चलाने और मेंटेन करने के लिए एक प्राइवेट फर्म को फाइनल

मुंबई : पिछले साल मुंबई के मोनोरेल नेटवर्क में कई टेक्निकल खराबी की वजह से रुकावट आने के बाद, शहर सर्विस फिर से शुरू करने के एक कदम और करीब आ गया है, ऑपरेटर ने सिस्टम को चलाने और मेंटेन करने के लिए एक प्राइवेट फर्म को फाइनल कर लिया है। हैदराबाद की पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड अगले पांच सालों के लिए भारत के इकलौते मोनोरेल नेटवर्क को ऑपरेट करने के लिए सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी बनी है। नए रेक लगाने, CBTC-बेस्ड सिग्नलिंग सिस्टम को चालू करने और पूरे फ्लीट और इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड करने के लिए 20 सितंबर, 2025 से मोनोरेल सर्विस रोक दी गई हैं। सिग्नल की दिक्कतों और भीड़भाड़ से जुड़ी दिक्कतों की वजह से बार-बार होने वाली दिक्कतों के बीच, जुलाई 2025 में महा मुंबई मेट्रो ऑपरेशंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने टेंडरिंग प्रोसेस शुरू किया था।

चेंबूर, वडाला और जैकब सर्कल को जोड़ने वाले 19.54 ` के कॉरिडोर पर ऑपरेशन 20 सितंबर, 2025 को रोक दिया गया था और अभी तक फिर से शुरू नहीं हुआ है।नवंबर में बिड जमा करने की डेडलाइन के बाद, चार कंपनियों ने कोटेशन जमा किए: कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड, पावर मेक प्रोजेक्ट्स लिमिटेड, अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड और इंडवेल कंस्ट्रक्शन्स। जांच के बाद, टेक्निकल स्टेज पर सिर्फ पावर मेक प्रोजेक्ट्स और अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज ही क्वालिफाई हुईं।पिछले हफ्ते खोली गई फाइनेंशियल बिड से पता चला कि पावर मेक प्रोजेक्ट्स ने ₹296.4 करोड़ की बोली लगाई, जो अडानी इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट सर्विसेज की ₹308.4 करोड़ की बोली से कम थी। पावर मेक का एक जाना-माना रेलवे वर्टिकल है, जिसके बारे में अधिकारियों का कहना है कि इवैल्यूएशन के दौरान यह उसके पक्ष में गया।

इस प्रोसेस से वाकिफ एक सीनियर अधिकारी ने कहा, ''हालांकि पावर मेक प्रोजेक्ट्स सबसे कम बोली लगाने वाला निकला है, लेकिन लेटर ऑफ एक्सेप्टेंस अभी जारी नहीं हुआ है।''मुंबई मोनोरेल लंबे समय से ऑपरेशनल फेलियर से जूझ रही है। सबसे गंभीर घटनाओं में से एक में, 19 अगस्त, 2025 को, मैसूर कॉलोनी के पास एक ट्रेन रुक गई, जिससे 582 यात्री दो घंटे से ज्यादा समय तक फंसे रहे।

मुंबई : वसोर्वा-बांद्रा सी लिंक अरब सागर में 900 मीटर–तक पहुँच गया

मुंबई : मुंबई कोस्टल रोड के फेज 2 का हिस्सा वसोर्वा-बांद्रा सी लिंक का काम शहर के किनारे से सबसे दूर–बांद्रा और जुहू के बीच अरब सागर में 900 मीटर–तक पहुँच गया है, ऐसा डेवलपमेंट की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया।सी लिंक, जिसे ऑफिशियली स्वातंत्र्यवीर सावरकर सागरी सेतु नाम दिया गया है, पर पाइलिंग का काम अभी चल रहा है। अधिकारियों ने बताया कि साथ ही, चार कनेक्टर्स–बांद्रा, कार्टर रोड, जुहू कोलीवाड़ा और वसोर्वा–के लिए केबल-स्टेड ब्रिज का कंस्ट्रक्शन शुरू हो गया है। जिन जगहों पर पिलर लगाए जाएंगे, वहाँ फ्लोटिंग जेट्टी पर रेडी-मिक्स कंक्रीट प्लांट लगाए गए हैं।

25 km का वसोर्वा-बांद्रा सी लिंक, कोस्टल रोड के नरीमन पॉइंट-वर्ली फेज और दक्षिण में बांद्रा-वर्ली सी लिंक, और उत्तर में कोस्टल रोड के वसोर्वा-कांदिवली-भायंदर फेज के लिए एक जरूरी इंटरसेक्शन पॉइंट होगा।मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा, ''यह प्रोजेक्ट एक दशक तक बातचीत में अटका रहा, लेकिन हमारी डबल-इंजन सरकार ने मई 2028 की पक्की डेडलाइन के साथ 26% फिजिकल प्रोग्रेस हासिल कर ली है।''महाराष्ट्र स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन द्वारा बनाए गए इस नए सी लिंक की उम्र 100 साल होने की उम्मीद है। अधिकारियों ने कहा कि इससे 1,585 मैंग्रोव भी हटाए जाएंगे, जिनके लिए परमिशन मिल गई है।साइट पर मौजूद एक इंजीनियर ने कहा, ''अटल सेतु के उलट, जो एक खाड़ी के ऊपर बना था, यह समुद्र पर होने की वजह से कहीं ज्यादा मुश्किल है।'' ''लहरें बहुत तेज हैं, मिट्टी सख्त ज्वालामुखी चट्टान और चिकनी मिट्टी का मिक्स है, और कनेक्टर रीफ के ऊपर से गुजरते हैं।

हम इन पिलर को लगाने की जरूरत के हिसाब से 15 से 30 मीटर की गहराई बनाए रख रहे हैं। तेजी से हो रहे क्लाइमेट चेंज की वजह से, साइट पर हालात एक बड़ी चुनौती हैं। कभी-कभी, सामान ले जाने में दो से तीन घंटे लग जाते हैं, हालांकि यह खाड़ी से 900 मीटर दूर है।''प्रस्तावित मुंबई कोस्टल रोड (नॉर्थ) इंटरचेंज और कनेक्टिंग रोड मिलाकर लगभग 60 ` तक फैली होगी। एक बार पूरा हो जाने पर, इससे वसोर्वा और भयंदर के बीच यात्रा का समय 90-120 मिनट से घटकर 15-20 मिनट होने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट दिसंबर 2028 तक पूरा होने वाला है।

नवी मुंबई से कल्याण-डोंबिवली का सफर 15 मिनट में, अंडरग्राउंड टनल, क्रीक के ऊपर सड़क, रूट 80% पूरा, कब होगा शुरू?

नवी मुंबई : कल्याण, डोंबिवली, ठाणे और नवी मुंबई से आने-जाने वाले लाखों गाड़ी चलाने वालों और यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में बढ़ते ट्रैफिक जाम को कम करने के लिए मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण ऐरोली-कटाई एलिवेटेड रोड बना रहा है। वह अब आखिरी स्टेज में पहुंच गया है। इस प्रोजेक्ट का लगभग 80 परसेंट काम पूरा हो चुका है। सर्वे करने वाले बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि यह बड़ा प्रोजेक्ट ट्रैफिक के लिए कब खुलेगा?

डेढ़ घंटे का सफर 15 मिनट में

अभी सड़क से कल्याण-डोंबिवली से नवी मुंबई जाने में कम से कम डेढ़ घंटे लगते हैं। ठाणे से सफर करते समय ट्रैफिक जाम एक बड़ी समस्या है। हालांकि ट्रांस हार्बर लोकल ही एकमात्र तेज ऑप्शन है, लेकिन बढ़ते पैसेंजर ट्रैफिक के कारण इस पर भी दबाव बढ़ गया है। ऐसे में ऐरोली-कटाई नाका एलिवेटेड रोड के शुरू होने के बाद यह सफर सिर्फ 15 मिनट में पूरा हो जाएगा।

MMRDA ने ऐरोली-मुंब्रा प्रोजेक्ट के एक्सटेंशन के तौर पर मुंब्रा-कटाई नाका एलिवेटेड रोड बनाने का फैसला किया है। यह रूट देसाई क्रीक से होकर गुजरेगा और सीधी और तेज कनेक्टिविटी के लिए पारसिक पहाड़ों के बीच एक अंडरग्राउंड टनल बनाई गई है। इस प्रोजेक्ट का शिलान्यास 2018 में किया गया था।

कब तक ट्रैफिक के लिए खुलेगा?

प्रोजेक्ट के पहले फेज में ठाणे-बेलापुर रोड से नेशनल हाईवे नंबर 4 तक 3.48 किमी लंबी एलिवेटेड रोड बनाई जा रही है। दूसरे फेज में ठाणे-बेलापुर रूट पर ऐरोली ब्रिज से एक कनेक्टिंग रोड बनाई जाएगी। यह रूट कुल 6.71 किमी लंबा है, जो कि देसाई क्रीक को पार करेगा। इस रूट के साल के आखिर तक ट्रैफिक के लिए खुलने की उम्मीद है।

यह रूट कैसा होगा?

इस प्रोजेक्ट में टनल 4-लेन की है और यह ऐरोली से डोंबिवली के पास कटाई नाका तक के सफर को आसान कर देगी। इस रूट के खुलने के बाद ऐरोली इलाके में भारी गाड़ियों का ट्रैफिक कम हो जाएगा। मुंबई से कल्याण और कल्याण से मुंबई जाने वाली गाड़ियां सीधे इस एलिवेटेड रोड का इस्तेमाल कर पाएंगी। इससे मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई और कल्याण-डोंबिवली इलाकों में ट्रैफिक जाम काफी हद तक कम हो जाएगा। इससे यात्रियों का समय, फ्यूल और परेशानी बचेगी। उम्मीद है कि MMRDA का यह प्रोजेक्ट मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन के ट्रांसपोर्ट सिस्टम में बड़ा बदलाव लाएगा।

चुनाव प्रचार और वोट मांगते वक्त विरोध; गुस्साए शिंदे गुट के कार्यकताओं ने दो लोगों पर किया हमला...

मुंबई : दहिसर वेस्ट इलाके में शिवसेना (शिंदे) के कार्यकताओं को चुनाव प्रचार और वोट मांगते वक्त विरोध का सामना करना पड़ा। इस विरोध के बाद, गुस्साए शिंदे गुट के कार्यकताओं ने कथित तौर पर दो लोगों पर हमला किया, जिनमें लात, घूंसे और डंडों से पीटने की घटनाएं शामिल हैं।

MHB पुलिस ने इस घटना के संबंध में आठ से दस कार्यकताओं के खिलाफ FIR दर्ज की है। यह घटना चुनावी माहौल को और तंग कर सकती है, खासकर जब BMC चुनाव नजदीक हैं। यह हमला राजनीतिक तनाव और हिंसा की बढ़ती घटनाओं का संकेत हो सकता है, जो आगामी चुनावों से पहले किसी भी राजनीतिक दल के लिए चिंता का कारण हो सकता है।

मुंबई : कांदिवली में सिक्योरिटी गार्ड ने लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली

मुंबई : 45 साल के एक सिक्योरिटी गार्ड, जो बाउंसर का भी काम करता था, ने कथित तौर पर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मरने वाले की पहचान प्रभाकर ओझा के तौर पर हुई है। अंधेरी ईस्ट में ज्वेलरी की दुकान पर काम करता था पुलिस के मुताबिक, ओझा अंधेरी ईस्ट में एक ज्वेलरी की दुकान पर सिक्योरिटी गार्ड का काम करता था।

उसने कथित तौर पर कांदिवली ईस्ट के पोइनसुर में बिहारी टेकड़ी में अपने घर पर अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस ने कहा कि ओझा शाम करीब 4 बजे घर लौटा और कथित तौर पर शाम करीब 4.15 बजे खुद को गोली मार ली। वह अपनी पत्नी और करीब 14 और 15 साल के दो बेटों के साथ रह रहा था।

तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए राहुल गांधी और सीएम रेडडी को फांसी देना चाहिए: रामाराव

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तेलंगाना की जनता को धोखा देने के लिए कई बार फांसी देना चाहिए। बीआरएस नेता रामाराव का यह बयान मुख्यमंत्री रेड्डी की पिछली टिप्पणियों के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कड़ी आलोचना कर नदी जल बंटवारे में तेलंगाना के हितों को कथित तौर पर नुकसान पहुंचाने और सिंचाई परियोजनाओं के माध्यम से अवैध रूप से धन कमाने के लिए उन्हें मृत्युदंड देने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री की टिप्पणियों पर तीखी प्रतिक्रिया देकर केटीआर ने कहा कि अगर टूटे वादों को भी ध्यान में रखा जाए, तब यह हिसाब लगाना मुश्किल है कि कांग्रेस नेताओं को कितनी बार फांसी दी जाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी द्वारा अशोक नगर अड्डा में दो लाख नौकरियों का वादा पूरा न करने, वारंगल में कृषि ऋण माफी योजना लागू न करने और कामारेड्डी में बीसी समुदाय के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के वादे से मुकरने के लिए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ जनता को अपना फैसला सुनाना चाहिए। उन्होंने आलोचना कर कहा कि 420 वादों को तोड़ने के लिए कांग्रेस जनता द्वारा 420 बार दंडित किए जाने की पात्र है।

पार्टी के बयान के अनुसार, केटीआर ने कहा कि सीएम रेड्डी को केवल गाली देना आता है, जबकि बीआरएस जरूरत पड़ने पर तीन-चार भाषाओं में जवाब देने की ताकत रखती है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति आईआईटी और आईआईआईटी के बीच या बाचावत ट्रिब्यूनल और बृजेश कुमार ट्रिब्यूनल के बीच अंतर नहीं जानता, उसके लिए तेलंगाना के भविष्य के बारे में बात करना हास्यास्पद है।

ट्रंप ने फिर दी टैरिफ बढ़ने की धमकी... कांग्रेस का हमला नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी काम नहीं आया

नई दिल्ली (एजेंसी)। नकांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भारत के प्रति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रवैये की आलोचना कर कहा कि दोनों नेताओं के बीच बार-बार सौहार्दपूर्ण व्यवहार दिखाने के बावजूद वाशिंगटन लगातार कभी गर्म, कभी ठंडा रुख दिखा रहा है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर भारत से आयात पर उच्च शुल्क लगाने की धमकी दी है। उन्होंने टिप्पणी की कि नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे सार्वजनिक कार्यक्रमों, बार-बार दिखाई गई व्यक्तिगत गर्मजोशी और सोशल मीडिया पर प्रशंसा से भारत को कुछ खास लाभ नहीं हुआ है।

कांग्रेस सांसद रमेश सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कहा कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री के अच्छे दोस्त भारत के प्रति अपना कभी गर्म, कभी ठंडा रवैया दिखा रहे हैं। उन्होंने फिर धमकी दी है कि अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद नहीं करता है, तब वे भारत से आयात होने वाले अमेरिकी उत्पादों पर उच्च शुल्क लगाएंगे। वे सभी नमस्ते ट्रंप, हाउडी मोदी कार्यक्रम, वे सभी (जबरदस्ती के) गले मिलना और अमेरिकी राष्ट्रपति की प्रशंसा करने वाले वे सभी सोशल मीडिया पोस्ट बहुत कम लाभ पहुंचा रहे हैं।

वहीं कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनाते ने केंद्र पर भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने में कमजोर और असमर्थ होने का आरोप लगाया। कांग्रेस प्रवक्ता ने पोस्ट किया, 'ट्रम्प वहाँ खड़े होकर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं। ट्रम्प के बगल में खड़े अमेरिकी सीनेटर का दावा है कि भारतीय राजदूत राष्ट्रपति को खुश रखने के लिए उनसे विनती कर रहे हैं। ट्रंप का कहना है कि मोदी ने उन्हें खुश करने के लिए अमेरिका के दबाव में रूसी तेल का आयात कम किया है। इसतरह के बेशर्म गुंडे मेरे देश का मज़ाक उड़ा रहे हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी की ओर से एक शब्द भी नहीं। मोदी एक आपदा हैं, एक कमजोर, कायर व्यक्ति जो भारत की प्रतिष्ठा की रक्षा करने वाले गुंडों के सामने खड़े नहीं हो सकते।'

यह घटना अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा रूसी तेल के आयात जारी रहने पर टैरिफ बढ़ाने की भारत को नई चेतावनी देने के बाद सामने आई है, जिसमें उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मुद्दे पर उनकी नाराजगी से अवगत हैं। ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल आयात के मुद्दे पर भारत का उन्हें खुश रखना महत्वपूर्ण था। ट्रंप ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं। वे नेक दिल हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं हूं। मुझे खुश रखना उनके लिए ज़रूरी था। वे व्यापार करते हैं, और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

एनसीसी कैडेट्स को संबोधित कर उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने ऑपरेशन सिंदूर से सीखने को कहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने एनसीसी के रिपब्लिक डे कैंप 2026 में कैडेट्स को संबोधित कर ऑपरेशन सिंदूर और विभिन्न आपदा राहत अभियानों में उनकी सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि एनसीसी शिविर केवल प्रशिक्षण केंद्र नहीं, बल्कि भारत की विविधता में एकता, संवैधानिक मूल्यों और भविष्य के नेतृत्व की झलक प्रस्तुत करता है। उपराष्ट्रपति ने एनसीसी के महत्व और उसके 'एकता और अनुशासन' के ध्येय वाक्य का उल्लेख कर कहा कि यह युवाओं को आत्मविश्वासी, जिम्मेदार और सेवा-भावी नागरिक बनाने में योगदान देता है। कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति का स्वागत गार्ड ऑफ ऑनर से किया गया और उन्होंने हॉल ऑफ फेम का दौरा कर एनसीसी की गौरवपूर्ण विरासत, उपलब्धियों और विकास यात्रा की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी स्टॉल्स, जैसे युवा आपदा मित्र योजना, ड्रोन प्रशिक्षण और नई तकनीकों के उपयोग की पहल, का निरीक्षण किया। उपराष्ट्रपति ने आपदा प्रबंधन की तैयारी और उभरती तकनीकों को अपनाने में एनसीसी की भूमिका की सराहना की। कैंप में कैडेट्स के लिए बेस्ट कैडेट, स्मॉल आर्म्स फायरिंग, मार्चिंग कंटिजेंट और फ्लैग एरिया डिजाइनिंग जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। इस साल 28 राज्यों और 8 केंद्रशासित प्रदेशों से कुल 2,406 कैडेट्स, जिनमें 898 बालिका कैडेट शामिल हैं, भाग ले रहे हैं। इसके अलावा 25 मित्र देशों के युवा कैडेट और अधिकारी यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत इस कैंप में शामिल हैं। उपराष्ट्रपति ने कैडेट्स के अनुशासन, उत्साह और राष्ट्रीय गौरव की भावना की विशेष सराहना की।

केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर ने वेल्लापल्ली नटेसन से की मुलाकात... सियासी गलियारों में चर्चा तेज

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल में भाजपा ने विधानसभा चुनाव से पहले महत्वपूर्ण राजनीतिक कदम उठाया है। पार्टी के केरल प्रभारी और वरिष्ठ नेता प्रकाश जावड़ेकर ने एसएनडीपी योगम के जनरल सेक्रेटरी वेल्लापल्ली नटेसन से उनके आवास पर मुलाकात की। यह बैठक तब हुई जब नटेसन द्वारा पत्रकार को आतंकवादी कहने वाले बयान ने विवाद पैदा किया था। मुलाकात के बाद बीजेपी नेता जावड़ेकर ने मैत्रीपूर्ण दौरा बताकर कहा कि उन्हें नटेसन से मिलकर हमेशा खुशी होती है। उन्होंने नटेसन के प्रारंभिक दिनों में एसएनडीपी योगम की स्थापना और उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनकी बातचीत हमेशा सुखद और सकारात्मक रही है, इसलिए इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है। भाजपा के इस कदम को इसलिए भी अहम माना जा रहा है क्योंकि नटेसन के हाल में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन के करीब आने की खबरें आई थीं। जावड़ेकर ने तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की जीत का उल्लेख करते हुए गुजरात के अहमदाबाद जैसी

उपलब्धि बताया। नटेसन ने हाल ही में मुस्लिम बहुल मलप्पुरम जिले में एसएनडीपी के शैक्षणिक संस्थान खोलने की अनुमति नहीं मिलने पर टिप्पणी की थी, साथ ही एक पत्रकार को चरमपंथी बताने वाले बयान ने विवाद बढ़ाया। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने इस पर कड़ी प्रतिक्रिया दी, जबकि माकपा और भाजपा ने कोई निंदा नहीं की। नटेसन के बेटे टी. वेल्लापल्ली भारत धर्म जन सेना (बीडीजेएस) के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से जुड़ी है। इस बैठक का राजनीतिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि विधानसभा चुनाव के पूर्व केरल में विभिन्न दल अपनी सक्रियता बढ़ा रहे हैं और भाजपा के लिए यह कदम समुदायों के बीच अपनी स्थिति मजबूत करने का संकेत माना जा रहा है।

सीएम सरमा ने असम में शुरू किया बीजेपी का वॉल पेंटिंग अभियान

कांग्रेस टिकट के लिए 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दीवार चित्रकला (वॉल पेंटिंग) अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह अभियान निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा और पार्टी चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने दावा किया कि असम में भाजपा की स्थिति बेहद मजबूत है और पार्टी के पास करीब 50 प्रतिशत विधानसभा सीटों के लिए उम्मीदवार तैयार हैं। सरमा ने कहा कि यदि पार्टी नेतृत्व आज ही 50 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी करने को कहे, तब यह संभव है। वहीं सीएम सरमा ने स्पष्ट किया कि भाजपा उम्मीदवारों से किसी तरह का आवेदन शुल्क नहीं लेगी। उम्मीदवारों के नाम जनता और पार्टी कार्यकर्ता सुझाएंगे और टिकट के लिए 25,000 या 50,000 रुपये जैसी कोई राशि नहीं ली जाएगी। इसके उल्ट उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टी टिकट के इच्छुक उम्मीदवारों से 3 से 5 करोड़ रुपये तक वसूल रही है और यह प्रक्रिया 22-23 सीटों पर चल रही है।

भूमि अतिक्रमण के मुद्दे पर सरमा ने कहा कि तेजपुर में करीब 5,000 बीघा अतिक्रमित भूमि से अतिक्रमण हटाने का अभियान शुरु होगा। उन्होंने इस अभियान को सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल बताकर कहा कि अवैध कब्जों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही उन्होंने मिया समुदाय का उल्लेख करते हुए कांग्रेस पर उन्हें निराश करने का आरोप लगाया। गठबंधन की राजनीति पर मुख्यमंत्री ने

बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया असम गण परिषद (एजीपी) के साथ सीट बंटवारे को लेकर बातचीत कर रहे हैं। भाजपा का यह दीवार चित्रकला अभियान 2026 के चुनावों के लिए एक प्रारंभिक जनसंपर्क पहल माना जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कामरूप जिले के चांगसारी में आयोजित कार्यक्रम में बेजेरा और सुआलकुची के 1,534 छात्रों को 2025 की एचएसएलसी और एचएस परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया।

अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की अग्निवीर योजना एक बार फिर चर्चा में है क्योंकि साल 2022 में शुरू हुए इस कार्यक्रम का पहला बैच अब अपनी चार साल की सेवा पूरी करने के करीब है। जून और जुलाई के महीनों में लगभग 20 हजार से अधिक अग्निवीरों को उनकी सेवा अवधि समाप्त होने के बाद डिस्चार्ज किया जाएगा। इस मोड़ पर हजारों युवाओं के भविष्य को लेकर उठ रहे सवालों के बीच सेना ने स्थायी होने की प्रक्रिया और उससे जुड़े कड़े नियमों को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया है। इसमें कहा गया है कि अग्निवीरों को सेना में परमानेंट होना है तो शादी करने से मना करना होगा।

सेना ने स्पष्ट किया है कि अग्निवीर अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान विवाह नहीं कर सकते। नियमों की गंभीरता यहीं खत्म नहीं होती, सेवा से डिस्चार्ज होने के तुरंत बाद भी उन्हें शादी करने की अनुमति नहीं होगी। स्थायी सैनिक बनने की चयन प्रक्रिया, जो लगभग 4 से 6 महीने तक चल सकती है, के दौरान भी उम्मीदवारों का अविवाहित रहना अनिवार्य है। अंतिम परिणाम घोषित होने और आधिकारिक रूप से स्थायी कमीशन मिलने तक यह नियम लागू रहेगा। सेना के नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, चार साल की सेवा पूरी करने वाले अग्निवीरों में से केवल 25 प्रतिशत को ही स्थायी सैनिक के रूप में दोबारा नियुक्त किया जाएगा। यह चयन पूरी तरह से उनके पिछले प्रदर्शन, शारीरिक दक्षता और लिखित परीक्षा के अंकों पर आधारित होगा। हालांकि, योग्यता के साथ-साथ अनुशासन को सबसे ऊपर रखा गया है, जिसमें वैवाहिक स्थिति को लेकर बेहद सख्त नियम बनाए गए हैं।अनुशासन पर जोर देते हुए सेना ने चेतावनी दी है कि यदि कोई अग्निवीर इस निर्धारित अवधि के दौरान शादी करता है, तो उसे स्थायी नौकरी के लिए अयोग्य मान लिया जाएगा। भले ही उस उम्मीदवार का पेशेवर रिकॉर्ड और शारीरिक प्रदर्शन कितना भी उत्कृष्ट क्यों न हो, नियम उल्लंघन की स्थिति में उसे चयन प्रक्रिया से तुरंत बाहर कर दिया जाएगा।आमतौर पर अग्निवीरों की भर्ती 21 वर्ष तक की आयु में होती है और वे लगभग 25 वर्ष की आयु में सेवामुक्त होते हैं। सेना का मानना है कि इस महत्वपूर्ण पड़ाव पर नियमों का पालन करना न केवल सैन्य अनुशासन के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक सैनिक की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। केवल वही अग्निवीर स्थायी कमीशन के पात्र होंगे जिन्होंने अपना कार्यकाल सफलतापूर्वक पूरा किया हो, जिनका रिकॉर्ड बेदाग हो और जिन्होंने सेवा की पूरी अवधि में ब्रह्मचर्य और अविवाहित रहने के मानदंडों का पालन किया हो।

यामी गौतम बनीं ओटीटी की धुरंधर, नेटफ्लिक्स पर 2 घंटे 36 मिनट की फिल्म का धमाका

आदित्य धर इन दिनों अपनी फिल्म 'धुरंधर' के लिए खूब तारीफें बटोर रहे हैं। फिल्म ने दुनियाभर में 1200 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर ली है और अब भी फिल्म की रफ्तार थमी नहीं है। फिल्म अभी भी ऐसे ही परफॉर्म कर रही है, जैसे अभी ही रिलीज हुई हो। फिल्म को रिलीज हुए पूरा एक महीना हो गया है और अब तक इसका क्रेज कम नहीं हुआ है। चौते रविवार को फिल्म ने देश में 12.75 करोड़ का कलेक्शन किया। एक तरफ जहां आदित्य धर बॉक्स ऑफिस के धुरंधर बने हुए हैं तो उनकी पत्नी और अभिनेत्री यामी गौतम ओटीटी की धुरंधर बनती नजर आ रही हैं। हाल ही में यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर 'हक' ओटीटी पर रिलीज हुई है और रिलीज के साथ ही 2 घंटे 36 मिनट की फिल्म ने टॉप ट्रेंडिंग में जगह बना ली है।

यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर 'हक' बीते साल सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स से अच्छे रिव्यू मिले और दर्शकों को भी बेहद पसंद आई। यामी गौतम और इमरान हाशमी के अभिनय की भी जमकर तारीफ हुई। भले ही फिल्म कलेक्शन के मामले में जोरदार प्रदर्शन नहं कर पाई, लेकिन अब ओटीटी पर रिलीज होते ही दर्शकों की पसंद बन गई है। 2 जनवरी को 'हक' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी और तीन ही दिनों में टॉप 10 में अपनी जगह बना ली है। फिल्म ओटीटी पर सातवें नंबर पर ट्रेंड कर रही है।

यामी गौतम और इमरान हाशमी स्टारर कोर्ट रूम ड्रामा 'हक' 7 नवंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 29 करोड़ के लगभग कलेक्शन किया। फिल्म चर्चित शाह बानो केस से प्रेरित है, जो रिलीज से पहले ही चर्चा में आ गई थी। फिल्म को लेकर काफी विवाद भी हुआ था और इसे रिलीज ना किए जाने की मांग भी उठी थी। हालांकि जैसे-तैसे फिल्म सिनेमाघरों तक पहुंच ही गई, जिसके दोनों लीड कलाकारों यामी गौतम और इमरान हाशमी के अभिनय की जमकर तारीफ हुई। 'हक' की कहानी एक गृहिणी शाजिया बेगम और उसके वकील पति अब्बास के इर्द-गिर्द घूमती है, जो उसे बिना बताए उसकी चचेरी बहन से दूरी शादी कर लेता है।

द केरला स्टोरी का सीक्वल अनाउंस, नई स्टार कास्ट के साथ इस दिन रिलीज होगी 'बियॉन्ड द केरला स्टोरी'

विपुल अमृतलाल शाह और सनशाइन पिक्चर्स लिमिटेड ने मोस्ट अवेटेड फिल्म 'बियॉन्ड द केरल स्टोरी' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है. फिल्म अब 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है. मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट के साथ एक मोशन पोस्टर भी जारी किया. इसे देख फैंस का एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर है. बता दें कि यह 'द केरल स्टोरी', का सीक्वल है. यह 2023 की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शुमार है.

सनशाइन पिक्चर्स ने फिल्म की रिलीज का ऐलान करते हुए एक मोशन पोस्टर शेयर किया. पोस्टर में लिखा- 'उन्होंने इसे चुप कराने की कोशिश की, बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन सच्चाई रुकी नहीं. कुछ कहानियां कभी खत्म नहीं होतीं. इस बार कहानी और गहरी है, दर्द भी ज्यादा है.' इस मोशन पोस्टर को देखने के बाद फैंस की एक्साइटमेंट बढ़ गई है. 2023 में रिलीज हुई 'द केरल स्टोरी' ने पूरे देश में खूब सुर्खियां बटोरी थीं. फिल्म ने बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट सिनेमेटोग्राफी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीता था. अब 'बियॉन्ड द केरल स्टोरी' पहले से भी ज्यादा मजबूत और असरदार कहानी लेकर आने वाली है.

'मैं खुद को सुंदर नहीं मानती', स्कूल में शेफाली शाह की होती थी बॉडी शेमिंग... हुमा की इस सलाह ने बढ़ाया हौसला

अभिनेत्री शेफाली शाह अपने अलग तरह के अभिनय के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में वो अपनी लोकप्रिय वेब सीरीज 'दिल्ली क्राइम' के तीसरे सीजन में नजर आई थीं। उनके अभिनय की अक्सर तारीफ होती है। लेकिन शेफाली शाह का कहना है कि बचपन में अधिक खूबसूरत न होने के कारण उन्हें काफी कुछ सुनना पड़ता था। लोग उन्हें तरह-तरह के ताने मारते थे। साथ ही उन्होंने हुमा कुरैशी की एक सलाह के बारे में भी बताया।

हाल ही में जूम के साथ बातचीत में शेफाली शाह ने बचपन में बुली किए जाने पर बात की है। अपनी शक्ल-सूरत को लेकर होने वाले भेदभाव के बारे में बात करते हुए शेफाली ने कहा कि जब आप बड़े हो रहे होते हैं, मैं अपने माता-पिता की बात नहीं कर रही, बल्कि आम तौर पर आपको बताया जाता है कि आप सुंदर नहीं हैं। स्कूल में मुझे तंग किया जाता था। कोई मुझे पसंद नहीं करता था। एक लड़की थी जो मुझे बहुत मारती थी। वह मुझे 'तेलू' कहकर बुलाती थी। कुछ साल पहले मैं उससे उसके रेस्टोरेंट में मिली थी और मुझे उस पर तरस आया। फिर कोई जानने वाला कह देता कि अगर तुम पतली होतीं, तो बहुत अच्छी लगतीं। ऐसा बहुत कुछ होता है। लोग एक-दूसरे की सराहना नहीं करते। उनका मानना है कि अगर किसी को कोई चीज सुंदर या अच्छी लगे, तो उसे जरूर कहना चाहिए।

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि अगर कोई मेरे पास आकर मेरे बारे में कुछ अच्छा कहे, तो मुझे बहुत खुशी होगी। मेरा पूरा दिन बन जाएगा। इसलिए अगर आपको कुछ अच्छा दिखे, तो कहिए। दूसरी बात यह है कि मुझे अपना रूप-रंग पसंद नहीं है। मुझे नहीं लगता कि मैं कभी इतनी पतली हो पाऊंगी। बहुत कम ही ऐसा होता है जब मैं खुद को देखकर कहती हूं, 'ओह! मैं अच्छी लग रही हूं'। लेकिन मुझे ऐसा लगता ही नहीं। जब कोई मेरी तारीफ में कहता है, 'आप खूबसूरत लग रही हैं', तो मैं तारीफ को स्वीकार नहीं कर पाती।

श्रद्धा कपूर की 2026 में धमाकेदार वापसी, 'स्त्री' के बाद अब 'नागिन' बनने जा रहीं हसीना

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर लंबे इंतजार के बाद बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं. 'स्त्री2' जैसी सुपरहिट फिल्म के बाद अब वह दर्शकों को इच्छाधारी 'नागिन' के रूप में रोमांचित करेंगी. उनकी नई फिल्म 'नागिन' का काम जल्द ही शुरू होने वाला है. इसके अलावा 'ईथा' की भी शूटिंग करने वाली हैं. फैन्स उनकी वापसी का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं.

श्रद्धा कपूर इन दिनों अपकमिंग फिल्म 'ईथा' की शूटिंग में व्यस्त हैं. इस फिल्म की शूटिंग अपने आखिरी शेड्यूल में है. आपको बता दें कि यह फिल्म मशहूर लावणी डांसर और तमाशा कलाकार विठाबाई भाऊ नारायण गांवकर की बायोपिक है. फिल्म की शूटिंग नासिक के पास औंधेवाड़ी में चल रही थी जो कि मार्च तक पूरी हो जाएगी.

रिपोर्ट्स के अनुसार 'ईथा' की शूटिंग खत्म करते ही श्रद्धा कपूर अपनी दूसरी मोस्ट अवटेड फिल्म 'नागिन' की शूटिंग कर देंगी. अगर सब कुछ प्लान के ठीक रहा तो वह इसी साल अप्रैल से शूटिंग कर देंगी. ये फिल्म काफी लंबे समय से बन रही है और प्रोडक्शन टीम ने हर चीज का ध्यान रखा जा रहा है. श्रद्धा कपूर को आखिरी पर बड़े पर्दे पर 'स्त्री 2' फिल्म में देखा गया था. यह फिल्म साल 2024 आई थी. इस फिल्म के बाद श्रद्धा अपनी फिल्मों का चुनाव बहुत सोच-समझ कर किया. अब वो ऐसी फिल्में करना चाहती हैं, जिनमें उनका एक्टिंग टैलेंट सही में दिख सके. अब करीब 2 साल बाद वो एक बार फिर से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही हैं.

श्रद्धा कपूर को फिर से बड़े पर्दे पर देखने के लिए फैंस अभी से ही उत्साहित हैं. बताया जा रहा कि श्रद्धा 'ईथा' में अपने नए अंदाज में दिखेंगी और फिर 'नागिन' में एक्शन करती हुई देखी जाएंगी. दोनों फिल्में उनके करियर के लिए अलग-अलग और चुनौतीपूर्ण हैं.

माहिम वार्ड 182: चार उम्मीदवार मैदान में, सीधा लेकिन दिलचस्प मुकाबला

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के तहत वार्ड क्रमांक 182 में चुनावी तस्वीर अब साफ हो चुकी है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम उम्मीदवार सूची के अनुसार इस वार्ड से कुल 4 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। सीमित उम्मीदवारों की संख्या के कारण यहां मुकाबला सीधा है, लेकिन राजनीतिक समीकरण इसे दिलचस्प बना रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से राजन सुरेश पाटकर चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी के संगठनात्मक ढांचे और पारंपरिक मतदाता आधार के भरोसे भाजपा ने इस वार्ड में पूरी ताकत झोंक दी है। वहीं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मिलिंद दत्ताराम वैद्य को अपना उम्मीदवार बनाया है। शिवसेना (उद्धव गुट) इस वार्ड में स्थानीय संपर्क और क्षेत्रीय मुद्दों को लेकर आक्रामक प्रचार करती नजर आ रही है इसके अलावा इस वार्ड में दो निर्दलीय (अपक्ष) उम्मीदवार भी मैदान में हैं। इनमें महेश सुशिला सुभाष धनमेहेर और वैद्य मिलिंद हरेश्वर शामिल हैं। निर्दलीय उम्मीदवार स्थानीय मुद्दों और व्यक्तिगत जनसंपर्क के दम पर मतदाताओं तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। कांग्रेस-वंचित आघाड़ी गठबंधन को लेकर चर्चा जरूर रही, लेकिन इस वार्ड में उम्मीदवार नहीं वार्ड क्रमांक 182 में कांग्रेस और वंचित बहुजन आघाड़ी के बीच गठबंधन की राजनीतिक चर्चा जरूर रही, लेकिन इस सीट पर दोनों दलों की ओर से कोई आधिकारिक उम्मीदवार मैदान में नहीं उतारा गया है। ऐसे में गठबंधन का सीधा प्रभाव चुनावी मुकाबले में नजर नहीं आ रहा, हालांकि इसके चलते विपक्षी वोटों के बंटवारे और रणनीतिक समर्थन को लेकर चर्चाएँ बनी हुई हैं।

महिम वार्ड 190: बीएमसी चुनाव में 12 उम्मीदवार मैदान में, मुकाबला हुआ रोचक

मुंबई : बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनाव के तहत महिम क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 190 (अनारक्षित) में इस बार चुनावी मुकाबला काफी दिलचस्प होता नजर आ रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अंतिम उम्मीदवार सूची के अनुसार, इस वार्ड से कुल 12 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। इनमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के साथ-साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी शामिल हैं, जिससे मुकाबला बहुकोणीय बन गया है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से शीतल सुरेश गंभीर चुनाव लड़ रही हैं। वहीं शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने वैशाली राजेश पाटणकर को अपना उम्मीदवार बनाया है। इंडियन नेशनल कांग्रेस की तरफ से यादव दयानंकर रामगोपाल मैदान में हैं, जो पार्टी की ओर से चुनौती पेश कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने इस वार्ड से प्रणाली गिरीश रजत को उम्मीदवार घोषित किया है। इसके अलावा अखिल भारत हिंदू महासभा से रामनाथ रामलाल कोरी, बलिराज सेना से मनोज बबन डोंगर और बहुजन रिपब्लिकन सोशलिस्ट पार्टी से शेख यासीन मो. हनीफ भी चुनावी मुकाबले में शामिल हैं।

राजनीतिक दलों के अलावा इस वार्ड में 5 निर्दलीय (अपक्ष) उम्मीदवार भी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इनमें अनिलकुमार गुप्ता, फर्नांडिस नेल्सन रिची, हसीना बानो मुबारक शाह, फलक सलीम सैयद और हफीज सैयद शामिल हैं। निर्दलीय उम्मीदवारों की मौजूदगी से वोटों का बंटवारा तय माना जा रहा है। महिम वार्ड 190 को राजनीतिक रूप से संवेदनशील माना जाता है। यहां के मतदाताओं के लिए सड़क, नाली-सफाई, पानी की आपूर्ति, झोपड़पट्टी पुनर्विकास और स्थानीय सुविधाएं प्रमुख चुनावी मुद्दे बने हुए हैं। सभी उम्मीदवार इन मुद्दों को लेकर जनता तक पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। कुल मिलाकर, 12 उम्मीदवारों की मौजूदगी ने महिम के वार्ड 190 को एक कठिन और दिलचस्प चुनावी रणभूमि में बदल दिया है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख नजदीक आएगी, वैसे-वैसे प्रचार और सियासी बयानबाजी और तेज होने की संभावना है।

मुंबई : मीरा रोड-भायंदर मेट्रो लाइन पर आया अपडेट... ठाणे-मुंबई कॉरिडोर के लिए भी गुड न्यूज!

मुंबई : मुंबई शहर में घर काफी महंगे होते हैं और नौकरीपेशा लोगों और छात्रों की बड़ी आबादी उपनगरीय इलाके में रहती है। आम तौर पर इन इलाकों से मुंबई सफर करना बेहद मुश्किल होता है और इसमें रोज काफी समय भी बर्बाद होता रहा है। मेट्रो नेटवर्क का तेजी से विस्तार हो रहा है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने भी कहा है कि आने वाले समय में शहर और उपनगरों की तस्वीर कनेक्टिविटी के लिहाज से बदल सकती है। साल 2026 तक उपनगरीय इलाकों से मुंबई की सीधी कनेक्टिविटी होगी। मुंबई में कई नई मेट्रो लाइनों और विस्तार परियोजनाओं के शुरू होने की उम्मीद है। मीरा-भायंदर, ठाणे और आसपास के इलाकों के लाखों यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। इन परियोजनाओं का मकसद सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना, ट्रैफिक जाम कम करना और लोगों का सफर तेज व सुविधाजनक बनाना है।

मुंबई मेट्रो लाइन-9 को दहिसर ईस्ट से बढ़ाकर मीरा भायंदर के काशीगांव तक ले जाया जा रहा है। इस परियोजना का पहला चरण करीब 4.5 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें चार स्टेशन शामिल हैं। - इसके पूरा होने के बाद मीरा भायंदर के यात्रियों को मेट्रो लाइन-7 और लाइन-2ए से बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। इससे वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, डीएन नगर और शहर के अन्य प्रमुख इलाकों तक पहुंच आसान हो जाएगी।

मुंबई : स्पेशल कोर्ट ने नक्सली प्रशांत जलिंदर कांबले की पहचान के लिए डीएनए टेस्ट की मंजूरी दी

मुंबई : स्पेशल कोर्ट ने एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड के कथित नक्सल ऑपरेटिव प्रशांत जलिंदर कांबले की पहचान कन्फर्म करने के लिए उसके डीएनए टेस्ट के लिए ब्लड सैंपल लेने की इजाजत दे दी है। यह रिक्वेस्ट पब्लिक प्रॉसिक्यूटर जयसिंह देसाई ने की थी। कोर्ट ने कहा कि कांबले की असली पहचान पता लगाने का सबसे अच्छा तरीका डीएनए टेस्ट है, क्योंकि उसने कथित तौर पर रोहित, लैपटॉप, मधु और सुनील जैसे कई नाम इस्तेमाल किए थे।

माओवादियों के साथ कथित संबंधों के लिए पिछले साल महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड द्वारा गिरफ्तार किए जाने से पहले कांबले 15 साल तक फरार था। उसे 2011 में एंटी-टेररिज्म स्क्वॉडद्वारा दर्ज एक केस में वॉन्टेड व्यक्ति के तौर पर नामजद किया गया था, जिसमें कबीर कला मंच के कई सदस्यों के साथ-साथ मिलिंद तेलतुंबडे की पत्नी एंजेला तेलतुंबडे भी शामिल थीं, जो 2021 में मारे गए 26 माओवादियों में से एक थे। एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड ने दावा किया कि कांबले खोपोली में सुनील चंद्रकांत जगताप के नाम से रहता था और हाल ही में उसे पुणे जाते हुए पाया गया था।

एजेंसी ने दावा किया कि उसे यह पता लगाना है कि कांबले और जगताप एक ही व्यक्ति हैं या नहीं। प्रॉसिक्यूशन ने कहा कि कांबले ने नकली डॉक्यूमेंट बनाने के लिए ऊपर बताए गए कुछ उपनामों का इस्तेमाल किया। बचाव पक्ष ने तर्क दिया कि डीएनए टेस्ट की जरूरत नहीं है क्योंकि कांबले 'प्रशांत कांबले' के तौर पर अपनी पहचान पर कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं। हालांकि, न्याय के हित में, बचाव पक्ष ने ब्लड सैंपल लेने पर ''कोई आपत्ति नहीं'' जताई।

कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति नकली सरकारी डॉक्यूमेंट बनाता है झ एक बार नहीं बल्कि कई बार झ तो उस व्यक्ति की पहचान ठोस और संतोषजनक सबूतों से की जानी चाहिए। कोर्ट ने कहा, ''जब उस व्यक्ति पर खास तौर पर कई गंभीर अपराधों का आरोप होता है, तो जांच एजेंसी के लिए पहचान साबित करना काफी मुश्किल होता है।''

मुंबई के टाटा मेमोरियल अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी....

परेल इलाके में सुरक्षा बढ़ाई गई..

मुंबई : वाणिज्यिक नगरी मुंबई के परेल में स्थित टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल को ईमेल से बम की धमकी मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार धमकी मिलने के बाद तुरंत पुलिस और बम निरोधक दस्ते को अस्पताल परिसर में तैनात किया गया औरपूरे अस्पताल परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया। अस्पताल के विभिन्न हिस्सों की गहन जांच की गयी, लेकिन कोई विस्फोटक या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह भेजे गए ईमेल में दावा किया गया था कि अस्पताल में बम रखा गया है। अस्पताल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जो बम निरोधक दस्ते के साथ मौके पर पहुंची और तलाशी अभियान शुरू किया, जो अभी भी जारी है। पुलिस ने बताया कि धमकी भरा ईमेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान और पृष्ठभूमि का पता लगाने के लिए एक साइबर पुलिस टीम को सक्रिय किया गया है। मामले की सभी कोणों से जांच की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि टाटा मेमोरियल अस्पताल देश के सबसे पुराने और सबसे प्रतिष्ठित कैंसर उपचार केंद्रों में से एक है, जहां पूरे देश भर से मरीज आते हैं। पुलिस अस्पताल को बम की धमकी देने के पीछे के संभावित मकसद की जांच कर रही है।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिन्टिंग प्रेस, गाला नं.4, एन. के. इंडस्ट्रीयल इस्टेट, प्रवासी इंडस्ट्रीयल इस्टेट के अंदर, गेट नं. 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063 से छपवाकर 4 ए, फ्लोर-जीआरडी, 29 डी, शबन हाउस, वंजावाडी लेन, माहिम वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400016 से प्रकाशित किया। मोबाइल नं 998777 5650, Email-editor@rokthoklekhani.com